



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 186]

नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 16, 1971/आश्विन 24, 1893

No. 186]

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 16, 1971/ASVINA 24, 1893

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF STEEL AND MINES/ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA

(Department of Mines/Khan Vibhag)

ORDERS

New Delhi, the 16th October 1971

G.S.R. 1543.—In pursuance of the provisions of sub-section (3) of section 4 of the Coking Coal Mines (Emergency Provisions) Ordinance, 1971 (No. 12 of 1971) (hereinafter referred to as the Ordinance), the Central Government hereby specifies Shri K. S. R. Chari, Chief Technical Adviser, Ministry of Steel and Mines (Department of Mines), Care General Manager, National Coal Development Corporation, Sudamdih, District Dhanbad, as the authorised person in respect of all the mines to which the provisions of section 4 of the Ordinance apply.

[No. CI-18(31)/71-1.]

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर, 1971

सांकांनि० 1543.—कोककर कोयला खान (आपात उपबन्ध) अध्यादेश, 1971 (1971 का 12) की धारा 4 की उपधारा (3) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री के०एम० आर० चारी, मुख्य तकनीकी सलाहकार, इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग), केयर महाप्रबन्धक, राष्ट्रीय कोयला विकास निगम, सुदामदीह, जिला धनबाद, को उन समस्त खानों के बारे में, जिन पर आध्यादेश की धारा 4 के उपबन्ध लागू होते हैं, प्राधिकृत व्यक्ति के रूप में विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० को० 1-18(31)/71-1]

G.S.R. 1544.—In pursuance of the provisions of sub-section (6) of section 4 of the Coking Coal Mines (Emergency Provisions) Ordinance, 1971 (No. 12 of 1971), the Central Government hereby specifies Shri K. S. R. Chari, Chief Technical Adviser, Ministry of Steel and Mines (Department of Mines), Care General Manager, National Coal Development Corporation, Sudamdih, District Dhanbad, as the person to whom the documents mentioned therein shall be delivered in respect of all the mines to which the provisions of section 4 apply.

[No. CI-18(31)/71-2.]

सांकांनि० 1544.—कोककर कोयला खान (आपात उपबन्ध) अध्यादेश, 1971 (1971 का 12) की धारा 4 की उपधारा (6) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री के० एम० आर० चारी, मुख्य तकनीकी सलाहकार, इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग), केयर महाप्रबन्धक, राष्ट्रीय कोयला विकास निगम, सुदामदीह, जिला धनबाद, को उस व्यक्ति के रूप में विनिर्दिष्ट करती है जिसको उन समस्त खानों के बारे में जिन पर धारा 4 के उपबन्ध लागू होते हैं, उसमें उल्लिखित दस्तावेज परित्त किए जायेंगे।

[सं० को० 1-18(31)/71-2]

G.S.R. 1545.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 5 of the Coking Coal Mines (Emergency Provisions) Ordinance, 1971 (No. 12 of 1971), the Central Government hereby appoints Shri K. S. R. Chari, Chief Technical Adviser, Ministry of Steel and Mines (Department of Mines), as the Custodian General for exercising supervision and control over all the coking coal mines, the management of which is taken over under the said Ordinance.

[No. CI-18(31)/71-3.]

सांकांनि० 1545.—कोककर कोयला खान (आपात उपबन्ध) अध्यादेश, 1971 (1971 का 12) की धारा 5 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री के० एम० आर० चारी, मुख्य तकनीकी सलाहकार, इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग), को समस्त कोककर कोयला खानों का, जिनके प्रबन्ध को उक्त अध्यादेश द्वारा अधिकार में लिया गया है, पर्यवेक्षण और नियन्त्रण करने के लिए महाप्रबन्धक के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० को० 1-18 (31)/71-3]

G.S.R. 1546.—In exercise of the powers conferred by section 11 of the Coking Coal Mines (Emergency Provisions) Ordinance, 1971 (No. 12 of 1971), the Central Government hereby directs that subject to the direction, supervision and control of the Central Government, Shri K. S. R. Chari, Custodian General, may also exercise all the powers exercisable by that Government under the said Ordinance.

[No. CI-18(31)/71-4.]

N. SUBRAHMANYAM, Secy.

सां. कां. निं. 1546.—फोककर कोयला खान (आपात उपबन्ध) अध्यादेश, 1971 (1971 का 12) द्वारा प्रवस शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा निदेश देती है कि केन्द्रीय सरकार के निदेशन, पर्यवेक्षण और नियन्त्रण के अध्याधीन, श्री के. एस. चारि, महाप्रभिक्षक, उस सरकार द्वारा उक्त अध्यादेश के अधीन प्रयोक्तव्य समस्त शक्तियों का भी प्रयोग कर सकेंगे।

[सं. को. 1-18(31)/71-4]

एन. सुब्रह्मण्यम्,
सचिव, भारत सरकार।

